India Media Monitor

Business Bhaskar

Graminn shetro mein posting ka Delhi ke Doctors ne kiya Virodh

Date: 09/08/2013 | Edition: Delhi | Page: 5 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 9 H: 20

Clip: 1 of 1

ग्रामीण क्षेत्रों में पोस्टिंग का दिल्ली के डॉक्टरों ने किया विरोध

प्रेट्र • नई दिल्ली

ग्रामीण क्षेत्रों में एक साल तक अनिवार्य पोस्टिंग के विरोध में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) सहित दिल्ली के कई मेडिकल कॉलेजों के सैकड़ों डॉक्टरों ने गुरुवार को जंतर मंतर पर जमकर प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन ज्यादा बढ़ जाने पर पुलिस को पानी की बौछार भी करनी पड़ी।

गौरतलब है कि सरकार ने मेडिकल स्टुडेंट्स को पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री में आवेदन करने के लिए एक साल तक ग्रामीण क्षेत्रों में पोस्टिंग अनिवार्य करने का निर्णय लिया है। दिल्ली के एम्स, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के सैकड़ों डॉक्टरों ने प्रदर्शन कर मांग की कि ग्रामीण पोस्टिंग पीजी के लिए आवेदन करने से पहले जरूरी न हो बल्कि इसको पीजी कार्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। विरोध करने वाले डॉक्टरों का कहना है कि यदि पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री से पहले ग्रामीण क्षेत्र में पोस्टिंग की व्यवस्था शुरू भी की जाती है तो इसे स्वैच्छिक बनाई जाए, अनिवार्य नहीं और इसे पीजी कोर्स में आवेदन के लिए योग्यता की तरह नहीं माननी चाहिए। गुरुवार को मेडिकल छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल निर्माण भवन जाकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव से भी मिला। अधिकारियों ने मेडिकल छात्रों की बात सुनी और कहा कि पीजी प्रवेश की शर्त में सरकार ने जो बदलाव किए हैं वह देश के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में डॉक्टरों की उपलब्धता में सुधार के लिए है। हालांकि, अधिकारियों ने यह आश्वासन भी दिया कि सरकार उनकी शिकायतों पर विचार करेगी और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों का कहना था कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने को तैयार हैं, लेकिन प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों पर बुनियादी ढांचे का जिस तरह से अभाव है, उसको लेकर वे चिंतित हैं।